वादा

• **यहेजकेल** 36 :25 -27 -27 मैं तुम पर शुद्ध जल छिड़कूँगा, और तुम शुद्ध हो जाओगे ; और मैं तुम को तुम्हारी सारी अशुद्धता और मूरतों से शुद्ध करुँगा। 26 मैं तुम को नया मन दूँगा, और तुम्हारे भीतर नई आत्मा उत्पन करूँगा, और तुम्हारी देह में से पत्थर का हृदय निकालकर तुम को मांस का हृदय दूँगा। 27 मैं अपना आत्मा तुम्हारे भीतर देकर ऐसा करूँगा कि तुम मेरी विधियों पर चलोगे और मेरे नियमो को मानकर उनके अनुसार करोगे।

•**यशायाह** 62:5 - क्योंकि जिस प्रकार जवान पुरुष एक कुमारी को ब्याह लाता है, वैसे ही तेरे पुत्र तुझे ब्याह लेंगे, और जैसे दूल्हा अपनी दुल्हिन के कारण हर्षित होता हैं , वैसे ही तेरा परमेशवर तेरे कारण हर्षित होगा।

•**भजन संहिता** 102 :18 - यह बात आनेवाली पीढ़ी के लिये लिखी जाएगी, और एक जाति जो सिरजी जाएगी वही याह की स्तुति करेगी।

मैरे पास वादे का बीज है जो मेरे दिल मे हैं।

मसीह को पहनो

• **इफिसियों** 4 :24 - और नये मनुष्यत्व को पहिन लो जो परमेशवर के अनुरूप सत्य की धार्मिकता और प्रवित्रता मैं सृजा गया हैं।
• **गलातियों** 3 :27 - और तुम मे से जितनों ने मसीह मे बबतिस्मा लिया है उन्होंने मसीह को पहिन लिया है।
• **कुलुस्सियों** 3 :10 - और नए मनुष्यत्व को पहिन लिया है, जो अपने सृजनहार के स्वरूप के अनुसार ज्ञान प्राप्त करने के लिये नया बनता जाता है।

नए शरीर
• **फिलिप्पियों** 3 :21 - वह अपनी शक्ति के उस प्रभाव के अनुसार जिसके द्वारा वह सब वस्तुओ को अपने वश मे कर सकता है, हमारी दीन-दीन देह का रूप बदलकर, अपनी महिमा की देह के अनुकूल बना देगा।

•मैं मसीह के पुरे काम के माध्यम से बचाया गया था I
•मैं अपनी आत्मा के बदलते पवित्र आत्मा के द्वारा, जिसने मुझ पर किया था, बचाया गया हूँ I
•मैं अपने स्तुति के लिए इंतजार कर रहा हूं, जब मेरे शरीर को भुनाया जाएगा I

नया जन्म

•**यूहन्ना** 1:12 -13 - परन्तु जितनो ने उसे ग्रहण किया, उसने उन्हें परमेश्वर की सन्तान होने का अधिकार दिया, अर्थात उन्हें जो उसके नाम पर विश्वास रखते हैं। 13 वे न तो लहू से, न शरीर की इच्छा से, परन्तु परमेश्वर से उत्पन्न हुए हैं।

• **1 पतरस** 1 :23 - क्योंकि तुम ने नाशवान नहीं पर अविनाशी बीज से, परमेश्वर के जीवते और सदा ठहरनेवाले वचन के द्वारा नया जन्म पाया हैं।

•**यूहन्ना** 3: 6 -8 - क्योंकि जो शरीर से जन्मा है, वह शरीर है; और जो आत्मा से जन्मा है, वह आत्मा है। 7 अचम्भा न कर कि मैंने तुझ से कहा, 'तुझे नये सिरे से जन्म लेना अवश्य है।' 8 हवा जिधर चलती है उधर चलती है और तू उसका शब्द सुनता है, परन्तु नहीं जनता कि वह कहा से आती और किधर को जाती है ? जो कोई आत्मा से जन्मा है वह ऐसा ही है।
"

मैं एक आत्मा हूँ। मेरे पास एक प्राण (मन) है। मैं शरीर मे रहता हूँ।

- 1 **यूहन्ना** 3 :1 - 2 - देखो, पिता ने हम से कैसा प्रेम किया है कि हम परमेश्वर कि सन्तान कहलाएं; और हम है भी। इस कारण संसार हमें नहीं जनता, क्योंकि उसने उसे भी नहीं जाना।
- 2 हे प्रियों, अब हम परमेश्वर की सन्तान है, और अभी तक यह प्रकट नहीं हुआ कि हम क्या कुछ होंगे ! इतना जानते है कि जब वह प्रकट होगा तो हम उसके समान होंगें, क्योंकि उसको वैसा ही देखेंगे जैसा वह है।

आत्मा को अपनाया

- **गलातियों** 4:4 -7 - परन्तु जब समय पूरा हुआ, तो परमेश्वर ने अपने पुत्र को भेजा जो स्त्री से जन्मा, और व्यवस्था अधीन उत्पन्न हुआ, 5 ताकि व्यवस्था के अधीनों को मोल लेके छुड़ा ले, और हम को लोपलक लेना का पद मिले। 6 और तुम जो पुत्र हो,इसलिए परमेश्वर ने अपने पुत्र के आत्मा को, जो 'हे अब्बा, हे पिता कहकर पुकारता है,' हमारे हृदय मे भेजा है। 7 इसलिए तू अब दास नहीं, परन्तु पुत्र है; और जब पुत्र हुआ, तो परमेश्वर के द्वारा वारिस भी हुआ।
- **रोमियों** 8:14 -16 - इसलिए कि जितने लोग परमेश्वर के आत्मा के चलाएं चलते है, वे ही परमेश्वर के पुत्र हैं। 15 क्योंकि तुम को दासत्व की आत्मा नहीं मिली कि फिर बयभीत हो, परन्तु लेपालकपन की आत्मा मिली है, जिसे हम है अब्बा, है पिता कहकर पुकारते है। 16 आत्मा आप ही हमारी आत्मा के साथ गवाही देते है, कि हम परमेश्वर की सन्तान हैं।

- मेरी आत्मा परमेश्वर से जन्मी है और मेरा जीवन परमेश्वर से

परिवर्तन के लिए बचाया

- **इफिसियों** 2 : 1-6, 19 - उसने तुम्हें भी जिलाया, जो अपने अपराधों और पापों के कारण मरे हुए थे 2 जिनमें तुम पहले इस संसार की रीति पर, और आकाश के अधिकार के हाकिम अर्थात उस आत्मा के अनुसार चलते थे, जो अब भी आज्ञा न माननेवालों में कार्य करता है। 3 इनमें हम भी सब के सब पहले अपने शरीर की लालसाओं में दिन बिताते थे और शरीर की इच्छाएँ पूरी करते थे, और अन्य लोगों के समान स्वभाव ही से क्रोध की सन्तान थे।
- 4 परन्तु परमेश्वर ने जो दया का धन है, अपने उस बड़े प्रेम के कारण जिस से उसने हम से प्रेम किया, 5 जब हम अपराधों के कारण मरे हुए थे तो हमें मसीह के साथ जिलाया (अनुग्रह ही से तुम्हारा उद्धार हुआ है), 6 और मसीह यीशु में उसके साथ उठाया, और स्वर्गीय स्थानों में उसके साथ बिठाया।
- 19 इसलिये तुम अब विदेशी और मुसाफ़िर नहीं रहे, परन्तु पवित्र लोगो के संगी स्वदेशी और परमेश्वर के घराने के हो गए।
- **कुलुस्सियों** 2 : 13 उसने तुम्हे भी, जो अपने अपराधों और अपने शरीर की खतनारहित दशा में मुर्दा थे, उसके साथ जिलाया, और हमारे सब अपराधों को क्षमा किया,

पुष्टि, बदल जाना

- **रोमियों** 8:28 -29 - हम जानते है कि जो लोग परमेश्वर से प्रेम रखते हैं, उनके लिए सब बाते मिलकर भलाई को ही उत्पन्न करती हैं ; अर्थात उन्ही के लिए जो उसकी इच्छा के अनुसार बुलाए हुए हैं। 29 क्योंकि जिन्हें उसने पहले से जान लिया है उन्हें पहले से ठहराया भी है कि उसके पुत्र के स्वरूप में हो , ताकि वह भाइयो मे पहिलौठा ठहरे।

- **रोमियों** 12:2 - इस संसार के सदृश न बनो ; परन्तु तुम्हरे मान के नए हो जाने से तुम्हारा चाल -चलन भी बदलता जाए, जिससे तुम परमेश्वर की भली, और भावती, और सिद्ध इच्छा अनुभव से मालूम करते रहे।
- **मसीह के मन**

- **इफिसियों** 4 :23 - और अपने मन के आत्मिक स्वबाव मे नये बनते जाओ,
- **रोमियों** 8 : 6 - शरीर पर मन लगाना तो मृत्यु है, परन्तु आत्मा मे मन लगाना जीवन और शांति है ;
- **1 कुरिन्थियों** 2:16 - "क्योंकि प्रभु का मन किसने जाना है कि उसे सिकाए ?" परन्तु हमें में मसीह का मन है।

- मेरे पास मसीह का मन है। मैं उसके विचारो को सोच रहा हूँ और उसकी योजनाओं को मान रहा हूँ।

क्रूस पर चढ़ाया गया, दफनाया जाया और जी उठा

- **रोमियों** 6 :4 -6 - अतः उस मृत्यु का बबतिस्मा पाने से हम उसके साथ गाड़े गए, ताकि जैसे मसीह पिता कि महिमा के द्वारा मरे हुए मे से जिलाया गया, 5 क्योंकि यदि हम उसकी मृत्यु की समानता मे उसके साथ जुट गए हैं, तो निश्चिय उसके जी उठने की समानता में भी जुट जाएंगे।
- **गलतियों** 2 :20 - मै मसीह के साथ क्रूस पर चढ़ाया गया हूँ, अब मैं जीवत न रहा, पर मसीह मुझ मै जीवत है ; और मैं शरीर मे अब जो जीवित हूँ तो केवल उस विष्वास से जीवत हूँ जो परमेश्वर के पुत्र पर है जिस ने मुझ से प्रेम किया और मेरे लिए अपने आप को दे दिया।
- **कुलुस्सियों** 2 :13 - उसने तुम्हें भी, जो अपने अपराधों और अपने शरीर की खतनारहित दशा मे मुर्दा थे उसके साथ जिलाया, और हमारे सब अपराधों को क्षमा किया।
- **इफिसियों** 2 :6 - और मसीह यीशु मे उसके साथ उठाया, और स्वर्गीय स्थानों में उसके साथ बिठाया।
- **इफिसियों** 1 :20 -21 - जो उसने मसीह में किया उसको मरे हुओ में से जिलाकर स्वर्गीय स्थानों में अपनी दाहिनी और 21 सब प्रकार की प्रधानता, और अधिकार, और सामर्थ्य, और प्रभुता के और हर एक नाम के ऊपर, जो न केवल इस लोक में

पूर्णता के लिए चल रहा हूँ

- **इब्रानियों** 6 :1 - 3 - इसलिये आओ मसीह की शिक्षा की आरम्भ की बातों को छोड़कर हम सिद्धता की ओर आगे बढ़ाते जाएं, और मरे हुए कामों से मन फिराने, और परमेश्वर पर विश्वास करने, 2 और बपतिस्मा और हाथ रखने,और मरे हुओ के जी उठने, और अंन्तिम न्याय की शिक्षा रूपी नींव फिर से डाले। 3 यदि परमेश्वर चाहे तो हम यही करेंगें।

हमारे मिशन के रूप में जल्द ही

- **इब्रानियों** 2 :10 - क्योंकि जिस के लिये सब कुछ है और जिस के द्वारा सब कुछ है, उसे यही अच्छा लगा कि जब वह बहुत से **पुत्रों को महिमा में पहुचाया**, तो उनके उधार के कर्ता को दु :ख उठाने के द्वारा सिद्ध करे।
- **1 यूहन्ना** 3 -8 - जो कोई पाप करता है शैतान की ओर से है, क्योंकि शैतान आरम्भ ही से पाप करता आया है। परमेश्वर का पुत्र इसलिये प्रकट हुआ कि **शैतान के कामो का नाश करें।**

नई सृष्टि

- **2 कुरिन्थियों** 5 :16 - 17 - अतः अब से हम किसी को शरीर के अनुसार नहीं समझेंगे। यद्यपि हम ने मसीह को भी शरीर के अनुसार जाना था, तौभी अब से उसको ऐसा न जानेंगे। 17 इसलिये यदि कोई मसीह में है तो वह नई सृष्टि है : पुरानी बातें बीत गई हैं ; देखो, सब बातें नई हो गई हैं।
- **गलतियों** 3 : 28 - अब न कोई यहूदी रहा और न यूनानी, न कोई दास और न स्वतंत्र, न कोई नर न नारी, क्योंकि तुम सब मसीह यीशु में एक हो।
- **गलतियों** 6 : 15 -16 - क्योंकि न खतना और न खतनारहित कुछ है, परन्तु नई सृष्टि। 16 जितने इस नियम पर चलेंगे उन पर, और परमेश्वर के इस्राएल पर शान्ति और दया होती रहे।

मैं एक नया मसीह की समानता में बनाया सृजन हूं